महिलाओ ने एकजुट होकर बदली अपनी तकदीर

नाम: वंदना तिवारी
उम्र: 30 वर्ष
पता व पोस्ट – विनवारा
ब्लॉक: निवाड़ी
जिला/राज्य: टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश)
शिक्षा: 10 वी पास
परिवार के सदस्यों की संख्या: 5
जाति/समुदाय: हिन्दू
व्यवसाय/आय के श्रोत: साबुन और हार्पिक
पहले अनुमानित मासिक आय: 0
अब अनुमानित मासिक आय- 15000 हजार रूपये पर माह

वंदना तिवारी एक साधारण महिला है जो विनवारा ग्राम में रहती है, विनवारा ग्राम जिला टीकमगढ़ के ब्लाक निवाड़ी का गाँव है जिसकी दुरी जिला मुख्यालय से 70 किलो मीटर उत्तर पूर्व में है, चुकि ग्राम विनवारा में ज्यादातर परिबार शिक्षित तो है पर आजीविका चलाने के लिए कोई अन्न विकल्प मौजूद नहीं है, और सभी ग्राम वासी सिर्फ किसानी और मजदूरी पर निर्भर है, लेकिन बहुत से परिबार उच्च जाति के कारण मजदूरी नहीं करते है, जिससे ग्राम में रोजगार का संकट हर समय मौजूद रहता है क्योकि पिछले कुछ सालो से सूखे के बने हालात से खेती किसानी से इतनी आमदनी नहीं हो पा रही थी, जिससे परिबार को चलाया जा सके और बच्चो को उच्च शिक्षा दिलाई जा सके, इन्ही सब कारणों को देखकर वंदना तिवारी के मन में आया की क्यों ना हम सभी महिलाये मिलकर अपनी मासिक बचत एक समूह निर्माण कर, करे, जिसको लेकर वंदना ने अपने मोहल्ले के 10 से 15 महिलाओ से बात की, लेकिन बहुत से महिलाये तैयार नहीं हुई, लेकिन वंदना ने हिम्मत नहीं हारी और एक संकल्प लिया और कुछ नीचे जाति की महिलाओ से बात की, और 12 महिलाये एक समूह गठन को लेकर तैयार हो गयी, फिर क्या था वंदना ने बैंक से बात कर, महिला ग्राम विकास मरियादित साख सहकारी समिति नाम से समूह का गठन 2016 में किया, जिसमे वंदना एक अध्यक्ष के तौर पर जुड़ गयी, हर माह बैठक का आयोजन कराना और बचत को नियमित बैंक में जमा कराना आदि समय पर किया जाने लगा, लेकिन फिर भी समूह को इतने दिनों तक आंगे ले कर, जाने के बाद भी सही मुकाम नहीं मिल पा रहा था| जिससे वंदना काफी चिंतित रहने

लगी, और सोचने लगी की अगर बैंक से लोन ले भी ले तो हम सब क्या करेगे, क्योकि मन में विजनिस के तो बहुत से विचार है लेकिन जानकारी ना होना, काम पर पकड़ ना होना, कच्चा माल कहा से लायेगे आदि समस्या आयेगी, लेकिन एक दिन गांव में कुछ लोग आये, जो एक पर्चा बाँट रहे थे और बता रहे थे की जिला पंचायत निवाड़ी में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है जिसमे ग्रामीण समुदाय के ऐसे सभी लोग जिनकी उम्र 18 साल से 45 वर्ष की है वो रोजगार मेले में आकर रोजगार से सम्बंधित जानकरी ले सकते है, फिर क्या था ये सुनकर मेरी तो लाटरी निकल गयी और में रोजगार मेले में गयी, जहाँ रेडियो बुंदेलखंड 90.4 से, रोजगार मेले का आयोजन कराया जा रहा था, जिसमे राष्ट्रीय ग्रामीन अजविका मिशन सहयोग के रूप में मेले में उपस्थित था जहाँ पर कई प्रशिक्षण देने के बारे में बताया जा रहा था और साथ में, मेले में आई बहुत सी कंपनी के द्वारा ग्रामीण समुदाय से आये लोगो के इंटरव्यू लिए जा रहे थे, वहां पर मेने राष्ट्रीय ग्रामीन अजविका मिशन से बात कर, अपने समूह को लिंक कराया इसके बाद मुझे और समूह की महिलाओ को साबुन, हार्पिक, अगरवत्ती, हैण्डबाश, फिनायल और सेनेटरी नेपकिन, निर्माण का प्रशिक्षण दिलाया गया, इसके बाद समूह की बचत से कच्चा माल अहमदाबाद से माँगा कर, साबुन, हार्पिक, अगरवत्ती, हैण्डबाश, फिनायल और सेनेटरी नेपकिन का निर्माण करना सुरु कर दिया, आज हमारे समूह की सभी महिलाये एक साथ मिलकर कार्य कर रही है, वंदना बताती है कि ये कार्य मेरे पति श्री अरुण कुमार तिवारी के बगैर पुरा नहीं हो सकता था क्योकि वो हमेशा मुझे आंगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते है, साथ में कहती है कि जोश तो बहुत है लेकिन बाजार में प्रचार ज्यादा ना होने के कारण अभी मॉल सिर्फ 30 से 35 हजार रूपये का जा पा रहा है, लेकिन आज हम रेडियो बुंदेलखंड और अन्न समाचार पत्र के माध्यम से बहुत कम समय में अपने क्षेत्र में सभी जगह सप्लाई कर पा रहे है या पंहुचा पा रहे है और साथ ही प्रचार भी करा पा रहे है, जिससे आज मेरे समूह की मासिक आय 15 हजार रूपये है, आज में बहुत खुश हूँ कि अपने क्षेत्र में हम सब महिलाओ ने अपना नाम कमाया है साथ ही इस काम को कर के हमें एक ख़ुशी महसूस होती है आज मेरे बच्चे निवाड़ी के एक निजी स्कूल में शिक्षा ले रहे है | में धन्यवाद करती हूँ रडियो बुंदेलखंड का जिन्होंने निवाड़ी में रोजगार मेला कराया और राष्ट्रीय ग्रामीन अजविका मिशन से जुड़वाया कराया जिससे में आज इस मुकाम पर पहुची हूँ |